



विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, उदयपुर

(उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान का प्रतिष्ठित संस्थान)

लोक प्रशासन विभाग

द्वारा आयोजित

महात्मा गांधी जयंती

के उपलक्ष्य में

विशेष कार्यक्रम

“गांधी के विचार – सुशासन की आधारशिला”

“मेरा जीवन ही मेरा संदेश है!”

– महात्मा गांधी



दिनांक : 2 अक्टूबर, 2026
(शुक्रवार)



समय : प्रातः 10 बजे



स्थान : लोक प्रशासन विभाग
(कक्ष संख्या- 26)

कार्यक्रम की रूपरेखा

मुख्य वक्ता -

1

डॉ. मनोज राजगुरु

वर्तमान भारतीय राजनीति में महात्मा गांधी के विचारों की प्रासंगिकता: लोकतंत्र, नैतिकता और जनभागीदारी के संदर्भ में।

2

डॉ. समीर व्यास

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी का योगदान: सत्याग्रह, जनजागरण और राष्ट्रीय आंदोलन का विस्तार।

डॉ. रतन लाल सुथार
विभागाध्यक्ष, लोक प्रशासन विभाग

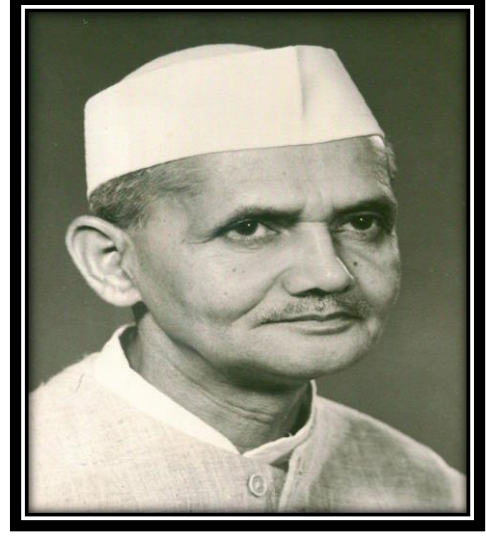
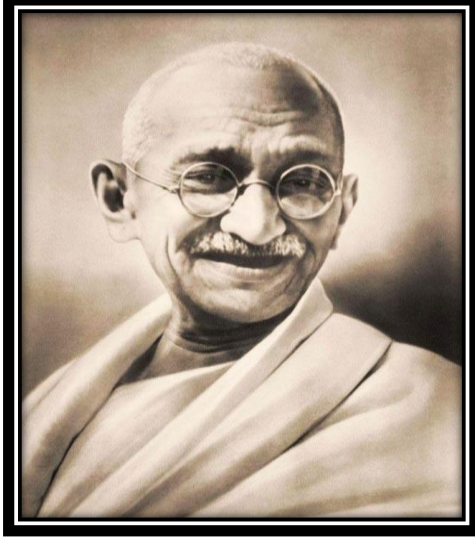


विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, उदयपुर

लोक प्रशासन विभाग

महात्मा गांधी - लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोह

02 अक्टूबर 2026



महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम की रिपोर्ट

कार्यक्रम:- गांधी दर्शन-विशेष व्याख्यान

उपस्थिति:-37 विद्यार्थी

1. कार्यक्रम का परिचय-

महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, उदयपुर के लोक प्रशासन विभाग के तत्वावधान में गांधी दर्शन पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महात्मा गांधी के जीवन, विचारों, आदर्शों एवं स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक एवं प्रशासनिक संदर्भों से जोड़ते हुए विद्यार्थियों को उनके विचारों की प्रासंगिकता से परिचित कराना था।

कार्यक्रम में विशेष रूप से गांधी जी के सत्य, अहिंसा, नैतिकता, लोकतंत्र, जनभागीदारी, सादगी और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों पर विचार-विमर्श किया गया। गांधी जी के आदर्शों को किसी एक काल या क्षेत्र तक सीमित न मानते हुए उन्हें सार्वभौमिक एवं सर्वकालिक मूल्यों के रूप में समझने पर बल दिया गया।

2. कार्यक्रम के उद्देश्य-

1. विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के जीवन एवं विचारों से परिचित कराना।
2. वर्तमान भारतीय राजनीति में गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकता को समझना।
3. लोकतंत्र, नैतिकता एवं जनभागीदारी के गांधीवादी दृष्टिकोण पर चर्चा करना।
4. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी के योगदान को समझना।
5. विद्यार्थियों में सत्य, अहिंसा, नैतिकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना।
6. गांधी जी के विचारों को वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक एवं वैश्विक चुनौतियों के संदर्भ में समझना।
7. विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय एवं समर्पित भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना।

3. कार्यक्रम की रूपरेखा-

कार्यक्रम का समन्वय लोक प्रशासन विभागाध्यक्ष डॉ. रतन सुथार द्वारा किया गया। प्रारंभ में डॉ. रतन सुथार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, व्यक्तित्व और कार्यशैली पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति अपने जीवन में राष्ट्र के इन आदर्श व्यक्तित्वों द्वारा अपनाए गए मूल्यों को आत्मसात करे, तो एक बेहतर राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया जा सकता है।

लोक प्रशासन विभाग, विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, उदयपुर

मुख्य व्याख्यान – 1

विषय- वर्तमान भारतीय राजनीति में महात्मा गांधी के विचारों की प्रासंगिकता- लोकतंत्र, नैतिकता और जनभागीदारी के संदर्भ में।

मुख्य वक्ता - डॉ. मनोज राजगुरु

डॉ. मनोज राजगुरु ने वर्तमान भारतीय राजनीति के संदर्भ में गांधी जी के विचारों की प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने सत्य, अहिंसा एवं नैतिकता के गांधीवादी मूल्यों को वर्तमान समय की चुनौतियों के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक समाज में व्यापक परिवर्तन के साथ असत्य, हिंसा एवं अनैतिकता जैसी प्रवृत्तियों को भी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे समय में गांधी के सत्य, अहिंसा एवं नैतिकता के मूल्यों को अपनाना मानवता एवं सभ्यता के हित में उपयोगी हो सकता है।

उन्होंने बदलते वैश्विक पर्यावरण तथा शक्ति-संतुलन की परिस्थितियों के संदर्भ में भी गांधीवादी विचारों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

मुख्य व्याख्यान – 2

विषय - भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी का योगदान- सत्याग्रह, जनजागरण और राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में।

मुख्य वक्ता - डॉ. समीर व्यास, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग

डॉ. समीर व्यास ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गांधी जी ने असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं भारत छोड़ो आंदोलन के माध्यम से राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। उन्होंने गांधी जी की सादगी, सरल व्यक्तित्व एवं विचारों के प्रभाव को रेखांकित करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को स्पष्ट किया।

डा. व्यास ने इस अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री जी के व्यक्तित्व एवं नेतृत्व पर भी प्रकाश डाला।

4. अन्य वक्ताओं के विचार-

कार्यक्रम में भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. विकास बया ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपने जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाकर बेहतर जीवन की शुरुआत करें।

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डा. अर्चना जैन ने समाज एवं राष्ट्र निर्माण में गांधी जी की तरह समर्पित कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

इस अवसर पर युवराज पालीवाल, चेतन सिंह राव, ज्योतिर्मय सोनी एवं मोनिका देवड़ा ने भी महात्मा गांधी के जीवन एवं चरित्र पर अपने विचार व्यक्त किए।

5. विद्यार्थियों के लिए संदेश-

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि गांधी जी के विचार केवल इतिहास का विषय नहीं हैं, बल्कि सत्य, अहिंसा, नैतिकता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनभागीदारी जैसे मूल्य आज भी व्यक्तिगत जीवन, समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

विद्यार्थियों को गांधीवादी मूल्यों को अपने व्यवहार एवं दैनिक जीवन में अपनाने तथा समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया।

6. निष्कर्ष-

कार्यक्रम ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी रहा। विभिन्न वक्ताओं ने गांधी जी के जीवन, विचारों एवं स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को समकालीन संदर्भों से जोड़ते हुए विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को गांधीवादी मूल्यों, नैतिकता एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के अंत में लोक प्रशासन विभागाध्यक्ष डा. रतन सुथार ने सभी वक्ताओं, अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

समग्र रूप से यह कार्यक्रम महात्मा गांधी के विचारों को वर्तमान संदर्भ में समझने, विद्यार्थियों में नैतिक एवं सामाजिक चेतना विकसित करने तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सार्थक अकादमिक पहल रहा।

लोक प्रशासन विभाग, विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, उदयपुर

कार्यक्रम के छायाचित्र



मीडिया कवरेज

विद्या भवन में व्याख्यान:
विद्या भवन और इंस्टीट्यूट के लोक प्रशासन विभाग की ओर से 'वर्तमान भारतीय राजनीति में गांधी के विचारों की प्रासंगिकता लोकतंत्र, नैतिकता और भागीदारी के संदर्भ में' संगोष्ठी हुई। डॉ. मनोज राजगुरु ने कहा कि एक शताब्दी में कई नकारात्मकताएं आई हैं; आधुनिकता की आड़ में असत्य, हिंसा और अनैतिकता ने पैर पसारें हैं। ऐसे में गांधी के सत्य अहिंसा और नैतिकता के मूल्य अपनाकर सभ्यता और संस्कृति को समाप्त होने से बचाया जा सकता है। समन्वयक लोक प्रशासन विभाग अध्यक्ष डॉ. रतन सुथार ने विद्यार्थी जीवन से ही इन आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. समीर व्यास, भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. विकास बया, युवराज पालीवाल, चेतन सिंह राव, ज्योतिर्मय सोनी और मोनिका देवड़ा ने गांधी चरित्र पर प्रकाश डाला। डॉ. रतन सुथार ने आभार जताया।

गांधी के आदर्श सर्वकालिक प्रासंगिक

(सूख की आवाज)

उदयपुर, 2 अक्टूबर, उदयपुर और उदयपुर के युवाओं के बीच गांधी के सत्य, अहिंसा और नैतिकता के मूल्यों को अपनाना जरूरी है। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. समीर व्यास ने 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के योगदान' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गांधी ने असहयोग आंदोलन, संबोधन अवकाश आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन के जरिए स्वतंत्रता आंदोलन को व्यापक जन आंदोलन का रूप दिया। उन्होंने गांधी के सादगीपूर्ण व्यक्तित्व और विचारों का उल्लेख करते हुए लाल बहादूर शास्त्री के व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डाला। इससे पहले लोक प्रशासन विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रतन सुथार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने महात्मा गांधी और लाल बहादूर शास्त्री के जीवन एवं कार्यशैली पर चर्चा करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही उनके आदर्शों और मूल्यों को अपनाकर बेहतर राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया जा सकता है। भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. विकास बया ने विद्यार्थियों से जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यकर्ता अधिकारी डॉ. अर्चना जैन ने समाज और राष्ट्र निर्माण में गांधी की तरह समर्पित कार्यकर्ता के रूप में भूमिका निभाने विचार सांस्कृतिक और सर्वकालिक महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक शताब्दी में मानव समाज और सभ्यता में व्यापक बदलाव आया है। आधुनिकता की आड़ में असत्य, हिंसा और अनैतिकता के बढ़ते प्रभाव के बीच गांधी के सत्य, अहिंसा और नैतिकता के मूल्यों को अपनाना जरूरी है। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. समीर व्यास ने 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के योगदान' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गांधी ने असहयोग आंदोलन, संबोधन अवकाश आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन के जरिए स्वतंत्रता आंदोलन को व्यापक जन आंदोलन का रूप दिया। उन्होंने गांधी के सादगीपूर्ण व्यक्तित्व और विचारों का उल्लेख करते हुए लाल बहादूर शास्त्री के व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डाला। इससे पहले लोक प्रशासन विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रतन सुथार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने महात्मा गांधी और लाल बहादूर शास्त्री के जीवन एवं कार्यशैली पर चर्चा करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही उनके आदर्शों और मूल्यों को अपनाकर बेहतर राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया जा सकता है। भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. विकास बया ने विद्यार्थियों से जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यकर्ता अधिकारी डॉ. अर्चना जैन ने समाज और राष्ट्र निर्माण में गांधी की तरह समर्पित कार्यकर्ता के रूप में भूमिका निभाने विचार सांस्कृतिक और सर्वकालिक महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक शताब्दी में मानव समाज और सभ्यता में व्यापक बदलाव आया है। आधुनिकता की आड़ में असत्य, हिंसा और अनैतिकता के बढ़ते प्रभाव के बीच गांधी के सत्य, अहिंसा और नैतिकता के मूल्यों को अपनाना जरूरी है।

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 2 अक्टूबर। विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट में गांधी जयंती के अवसर पर लोक प्रशासन विभाग के तत्वावधान में गांधी दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 'वर्तमान भारतीय राजनीति में गांधी के विचारों की प्रासंगिकता : लोकतंत्र, नैतिकता और भागीदारी के संदर्भ में' विषय पर विशेष व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. मनोज राजगुरु ने कहा कि अहिंसा और राजनीति की सुविधा से जुड़े महात्मा गांधी के आदर्शों को किसी एक काल या क्षेत्र तक सीमित नहीं किया जा सकता। उनके विचार सांस्कृतिक और सर्वकालिक महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक शताब्दी में मानव समाज और सभ्यता में व्यापक बदलाव आया है। आधुनिकता की आड़ में असत्य, हिंसा और अनैतिकता के बढ़ते प्रभाव के बीच गांधी के सत्य, अहिंसा और नैतिकता के मूल्यों को अपनाना जरूरी है।

-धन्यवाद-

डॉ रतन लाल सुथार

विभागाध्यक्ष

लोक प्रशासन विभाग

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, उदयपुर

Purpose:- Celebration of Gandhi & Shaastri Jayanti
Vidya Bhawan Rural Institute, Udaipur

Department of Public Administration

Date: 2/10/26 Time:- 10.15.AM Place:- Dept of Pub. Adm.

Sr. No	Student Name	Father name	Class	Signature
1	Rishabh choudhary	Bhagat Lal choudhary	BA IV	Rishabh
2	Nisha Kumari	Udhav Bhagat	B.A II	Nisha
3	Harita Grameti	Radhoshyan Gram	BA IV	Harita
4	Dalchand Grameti	Banshi Lal Grameti	BA I sem	Dalchand
5	Himmat Lal	Puna Ram	B.A I sem	Himmat
6	Ganpat Singh	Ratan Singh	B.A I sem	Ganpat
7	Rahul Singh	Chann Singh	B.A Ist sem	Rahul
8	Bhenu Singh	Ganesh Singh	B.A Ist sem	Bhenu
9	Himmat Lohar	Ambe Lal	B.A I sem	Himmat
10	Devenendra Lohar	Banshi Lal	BA I sem	Deven
11	Sujal Shrivastava	Dilip Shrivastava	B.A I sem	Sujal
12	Dhyanesh Lohar	Pomeshji Lohar	B.A I sem	Dhyanesh
13	Indar Singh Khurwar	Chaman Singh	B.A 3rd sem	Indar
14	Anil Dangi	Vasdi chand Dangi	B.A 5th sem	Anil
15	Tarun Kumar Lambi	Bhagwan Lal Lambi	BA IV sem	Tarun
16	Pari Sukhar	Amrit Lal Sukhar	BA Ist sem	Pari
17	Rakshika Yadav	Naresh Yadav	BA Ist sem	Rakshika
18	Khadija Khatun	SK Khokan	BA Ist sem	Khadija
19	Rakesh meena	PRABHU LAL	BA Ist sem	Rakesh
20	Mahendra Grameti	Jogari Grameti	B.A Ist sem	Mahendra
21	yunraj Paliwal	Kapil Paliwal	B.A Ist sem	yunraj

22	Gagan nagarchi	Dushyant nagarchi	B.A. I st sem.	Gagan
23	पायल मेघवाल	चन्ना राम जी	B.A. 5 th Sem	पायल
24	Jayshree Khatik	Om Parkash	B.A. 1 st Sem	Jayshree
25	Sneha Rao	Bhanuwar Rao	B.A. 1 st Sem	Sneha
26	Mayank Choulisa	Ramesh Choulisa	BA I st Sem	Mayank
27	Vidhi Faliwal	Gajendra Faliwal	BA I Sem	Vidhi Faliwal
28	Harshita Vairagi	Bibhu Das Vairagi	BA I st Sem	harshita
29	Lakshita Shrivastava	Dinesh ji Shrivastava	BA I st Sem	Lakshita
30	Jyotirmay Soni	Rodheshyam Soni	BA I st Sem	Jyotirmay
31	Mukesh Singh	Trilok Singh	BA I st Sem	Mukesh
32	Monika deora	स्व सरकार सिंह	BA III Sem	Monika
33	SHIKMAR	DINESH JI	BA I Sem	Shikmar
34	Manoj Peggam		Faculty	मोड 21/03/25
35	Vikas Bagra		- - -	VI Sem
36	DR. SANKAR NAR	—	i. ii. —	Sankar
37	Ratan Suthar		- - -	Ra
38	Dr. Archana Jain	—	—	Az
39				
40				
41				
42				
43				
44				
45				